

21619

पत्रावली बिल डुप्ली प्रारोक्षण एवं प्रारोक्षण
वसील हो शक्य-2 कर कर-2 फलवाज
नगई गरी। प्रारोक्षण एवं उत्रने वसील
उपार्थित रहे है। अत्र प्रारोक्षण का
प्राप्ति अत्र दायरी व फलवाज के
स्वयं विधि जाता है पत्रावली अंतराधुन
दोकर तकर से कर है वही अंतराधुन
वाद है।